Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 2.2052 (UIF)
Volume-3 | Issue-11 | May-2014 Available online at www.aygrt.isrj.net

नव संचार माध्यम और स्त्री उत्पीड़न
(एमएमएस प्रकरण के विशेष संदर्भ में)

मिर्ज़ा नादिर बेग

स्वतंत्र टिप्पणीकार,हैदराबाद

सारांश - **मल्टीमीडिया मोबाईल की कार्य पद्धति और उसका प्रयोग** - मोबाईल फोन जिसे सेल्यूलर फोन भी कहा जाता है एक एलेक्ट्रानिक मशीन है,जिसका प्रयोग दो पक्षीय संचार के लिए किया जाता है। जैमर कट्ज़ के शब्दों में मोबाईल लोगों के लिए एक छोटा सा homunculi बनता जा रहा है। मोबाईल अब हमारी जिंदगी की आवश्यकता के अलावा हमारे सामाजिक जीवन का भी अहम हिस्सा बन चुका है। आज लगभग सभी हाथों में मोबाईल सेट नज़र आता है। अमेरिका के टेलिकॉम एजेंसी के शोध के अनुसार दुनियाँ में जितने लोग हैं लगभग उतने हीं मोबाईल कनेक्शन हैं।(बीबीसी हिन्दी ,13 अक्तूबर 2012) दुनियाँ की आबादी इस वक्त सात अरब है और अंतर्राष्ट्रीय टेलीकॉम यूनियन(ITU) के अनुसार 2011 तक 6 अरब मोबाईल कनेक्शन हो चुके थे और इसी रिपोर्ट में इस बात की भी पुष्टि की गई थी कि एक अरब कनेक्शन तो सिर्फ चीन में ही है। इस सर्वे में दुनियाँ के 155 देशों को शामिल किया गया था। एजेंसी के प्रमुख सुजान का कहना है कि इस शोध में लोगों के सिम कार्ड को गिना गया है मोबाईल हैंड सेट्स को नहीं। जेनेवा स्थित अंतर्राष्ट्रीय टेलीकॉम यूनियन का कहना है कि दुनिया कि एक तिहाई आबादी यानि दो अरब लोग 2011 तक इंटरनेट का इस्तेमाल करने लगे थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार विकसित देशों की 70%आबादी और विकासशील देशों की 24%आबादी ऑनलाइन कनेक्शन से जुड़ी हुई हैं । आईटीयू के निदेशक इब्राहीम सनाओ के अनुसार विकासशील देशों में मोबाईल ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। (बीबीसी हिन्दी ,13 अक्तूबर 2012)

प्रस्तावना-

इस तकनीकी विकास को हम तकनीकी क्रांति भी कह सकते हैं और इसी तकनीक का असर हमारे समाज पर भी व्यापक रूप में पड़ रहा है। ये और बात है कि तकनीक का प्रभाव हमारे समाज पर सीधे न पड़ कर परोक्ष रूप से हमारे समाज को प्रभावित कर रहा है। पहले से चले आरहे हमारे सामाजिक सरोकार कमज़ोर पड़ रहे हैं और जब हमारे सामाजिक मूल्य कमज़ोर हो कर टूट रहे हैं तब हम इस तकनीक के प्रभाव और दुष्प्रभाव पर गहन चिंतन करना शुरू कर दिया है। प्रसिद्ध संचार चिंतक डेनिस mcquail के अनुसार समाज और संस्कृति दोनों अलग-अलग चीजें हैं मगर इन दोनों में गहरा रिश्ता भी है।

Society and culture should be treated in relation to each other since they are different but however closely interrelated. While community refers to social and institutional customs and personal habits as symbolic expressions of meanings,society refers to economic and political assets and power as well as social relations such as communities and assets and power as well as social relations such as communities and family and social roles regulated by formal and informal norms.

(McQuail,2000)

मोबाईल का जुनून तूफानी शक्ल में पूरे देश को अपनी चपेट में ले चुका है। क्या बच्चे ? क्या बुढ़े , ? क्या नौजवान ? क्या पुरुष ? क्या महिला ? इस जादू से कोई बच नहीं पाया है। सरहद और सात समंदर पार से जैसे ही हैलो !! की आवाज़ आती है ऐसा एहसास करती है कि हैलो कहने वाला आपके सामने बैठा हुआ है। दूसरे शब्दों में हम इसे मोबाईल का सूनामी लहर भी कह सकते हैं , जिसमें हर कोई बह रहा है। इसका बुखार किसी को भी लग सकता है और कोई भी इसका मरीज़ बन सकता है।

As the spurt in technology has almost revolutionized india,mobile mania is taking the entire nation by strom.according to some,the mobile frenzy has catapulted the nation to newer heights--- which may surpass the tsunami,albeit in a metaphonical connotation.(the mobile phone culture in india.youth drives the mobile revolution,tapti basu)

ये बटन दबाने का जुनून है ,जिसमें बटन दबाते ही आप अपनी महचाही दुनियां में पहुँच जाते हैं। मोबाईल हमारे ज़िंदगी से इस तरह से जुड़ गया है कि इस पर महान संचारविद् मार्शल मैकलूहान का वो कथन याद आ रहा है कि इंसान की उंगली में लगी हुई अंगूठी को कोई फर्क नहीं पड़ता कि पहनने वाला ज़िंदा है या नही ,वो उंगली से चिपकी हुई रहती है ठीक उसी तरह मोबाईल फोन चाहे वो रिंगटोन मोड में हो या साइलेंट मोड में हो ,वो हमेशा हमारे साथ होता है। इसी को ही information सोसाइटी का नाम दिया गया है। प्रोफेसर ताप्ती बसु के अनुसार एक ऐसा सूचना समाज जिसमें बसने वाला हर व्यक्ति सूचना तक पहुँच सकता है ,सूचना हासिल कर सकता है और इसको लोगों तक पहुँचा सकता है।

The information society may be defined as a world in which “every one can create ,access,utilize and share information and knowledge”(declaration of the world summit on the information society).

मोबाईल का सूचना समाज आज 3 G(third generation) पर सवार है,जिसके द्वारा लोग दुनिया के किसी कोने से किसी को भी कोई भी संदेश भेज ही नहीं सकता है ,बल्कि वह एक दूसरे से विडियो संचार भी कर सकता है। नई नस्ल जो मोबाईल फोन के साथ आगे बढ़ रही है उसे समाज के पुराने रस्म-ओ-रिवाज पर बाँधे रखना मुश्किल हो रहा है। ऐसी नस्ल को फिलिपींस में GEN TEXT भी कहा जा रहा है। दूसरी तकनीकों की तरह मोबाईल का इस्तेमाल बहुत से लोग वक्त बचाने और जल्द से जल्द काम निपटाने के लिए कर रहे हैं वहीं आज की ज्यादातर युवा इसका इस्तेमाल समय व्यतीत करने और मौज मस्ती के लिए कर रही हैं। मोबाईल मार्केट दिन-ब-दिन नई नस्ल की मार्केट होती जारही है क्योंकि इसके उपभोक्ताओं में नई नस्ल की बहुमत है।ऐसा भी देखा जारहा है कि नई नस्ल मोबाईल कंपनियों द्वारा लाये गए नए-नए एप्लिकेशन को इस्तेमाल करने में वे दूसरे आयु वर्ग के लोगों से काफी आगे हैं।

मोबाईल texting (यानि एसएमएस ,एमएमएस ,ईमेल ,और नेट सर्फिंग) बड़ों के मुकाबले नई नस्ल ज्यादा इस्तेमाल कर रही है। इस बात को इस उदाहरण के द्वारा और भी आसानी से समझा जा सकता है कि कोरिया में मोबाईल इंटरनेट का ज़्यादा इस्तेमाल वहाँ के जूनियर हाई स्कूल के बच्चे कर रहे हैं। फिलिपींस के नौजवानों में मोबाईल टेकस्टिंग ज्यादा पसंद किया जा रहा है। जापान में 18 साल की उम्र की लड़कियों में मोबाईल का इस्तेमाल सौ प्रतिशत है। भारत में नई नस्ल मोबाईल का इस्तेमाल समाजी सरगर्मियों और अपने दोस्तों से जुड़े रहने के अलावा बुज़ुर्गों में अपनी लोकप्रियता और समाजी हैसियत दिखाने के लिए करते है। लेकिन मोबाईल के ज्यादा इस्तेमाल से नौजवानों में कई किस्म की बीमारियों जैसे नींद की कमी,काल न आने पर अकेलेपन का एहसास ,पढ़ाई पर विपरीत प्रभाव ,गेम खेलने की लत आदि वजह से सेल्यूलर radiation का ख़तरा अपने चरम स्तर पर बढ़जा जा रहा है।

मोबाईल के द्वारा संचार क्रांति से ऐसी उम्मीद लगी कि इससे महिलाओं की स्थिति सुधरेगी और पहले से चली आरही पित्र-सत्तात्मक मकड़ जाल को तोड़ कर वो बाहर आएंगी लेकिन जिस तरह से साहित्य महिलाओं को उनका हक दिलाने में नाकाम रहा और उसे एक मौन समूह बना दिया ठीक वैसे ही मोबाईल फोन नें भी इस पर कई प्रकार के होने वाले उत्पीड़नों को और बढ़ावा दिया। महिलाओं के चेहरे पर तेज़ाब फेंके जाने,पिंडलियों में गोली मारे जाने ,छेड़खानी,दहेज़ के परेशान किए जाने ,ज़बरदस्ती यौनिक संबंध और घेरेलु हिंसा को तो हम तो अच्छी तरह से जानते हैं लेकिन मोबाईल के द्वारा महिलाओं के निजता का एमएमएस बना कर उनकों परेशान करना और उसी विडियो के द्वारा उनके साथ सौदेबाजी करना आम बात हो गई है। लेकिन इस मल्टीमीडिया मोबाईल का सबसे खतरनाक पहलू ये है कि अगर एमएमएस बनाने वाले को ये लगता है कि

उसकी माँगे नहीं मानी गयी हैं तो वो इस विडियो को सोश्ल मीडिया पर लोड कर देता है। इसके बाद तो उस महिला या लड़की की ज़िदगी नर्क बन जाती है। इस हालत में वो महिला या लड़की तथाकथित सामाजिक परंपराओं के बोझ तले अपने जीवन को समाप्त कर लेती है।

प्रोफेसर ताप्ती बसु ने अपने शोध research in mobile mania in india of sms revolution,mms controversies and wardrobe malfunctions में तकनीक के नकारात्मक पक्ष को चिन्हित करते हुये कहा है कि- "like any technology the associate social changes bring benefits but also pose challenges and ethical question"the term stalking with technology will be used in this research note to indicate staking with any of a wide variety of information-based technologies.

Criteria of harassment-उत्पीड़न के मापदंड

Multimedia phone has fetched an integral part of our daily lives.at present mobile phone has become a new threat to user women's.for using mobile phone women face sexual,mental and psychological problem.men are using them to take photos and record audio and video clips of women and girls who are breaking social codes by having sexually explicit conversations or intimate relations with their boyfriends.in many cases,the conversations and video have been widely distributed,damaging women's reputations and ,in doing so,putting their lives at risk.

मोबाईल फोन पर मल्टीमीडिया सर्विस के द्वारा महिलाओं की अश्लील क्लिप का फैलाव बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। ये भारत सहित दुनिया भर में महिलाओं पर होने वाला नये किस्म का उत्पीड़न है। भारत में एमएमएस स्कैंडल नें लोगों की नीदें उड़ा कर रख दी है। इस तरह के एमएमएस का नया मामला देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय जवाहरलाल नेहरू में पेश हुआ है। एक और बहुत ही हाइप्रोफ़ाइल मामला कोलकाता में घटित हुआ। एथलीट पिंकी के लिंग परीक्षण के दौरान किसी ने इसका एमएमएस बना लिया और उसको मल्टीमीडिया मोबाईल के द्वारा पब्लिक डोमैन में दे दिया। पिछले सात सालों में देश के कई हिस्सों में जैसे दिल्ली ,मैसूर,कोलकाता,हैदराबाद,नोएडा,देहरादून में इस तरह के एमएमएस स्कैंडल सामने आए हैं। बाकी सैंकड़ों मामले खानदानी प्रतिष्ठा के नाम पर और अपनी बेइज़्ज़ती से बचने के लिए दबा दिये गए। और वो सभी मामलों में स्त्री को ही भुगतना पड़ा। सबसे अफसोस की बात है कि इस तरह के घिनौने करतूत को अंजाम देने वाले ज़्यादातर अभी कानून की पहुँच से बाहर हैं और और जिनको सज़ा भी मिली है वो भी न के बराबर। आज हर कोई इस खौफ में जीता है कि पता नहीं कब और कहाँ किस के द्वारा उसके निजता(privacy) का एमएमएस बनाकर उसे लोगों के सामने मुह दिखाने के काबिल न छोड़ा जाए।

भारत के प्रमुख एमएमएस प्रकरण-

दिल्ली पब्लिक स्कूल एमएमएस कांड- दिल्ली पब्लिक स्कूल भारत के चंद प्रतिष्ठित स्कूलों में से एक है जहाँ पर पढ़ना हर विद्यार्थी का सपना होता है। सन् 2004 में स्कूल कैम्पस में एक एमएमएस कांड हुआ। उस एमएमएस को मल्टीमीडिया मोबाईल के द्वारा पूरे कैम्पस में पहुँचा दिया गया। इतना ही नहीं सोश्ल मीडिया पर इस विडियो को अपलोड कर दिया गया और देखते ही देखते इस विडियो को हिट करने वाले दर्शकों की संख्या लाखों में पहुँच गई। ये घटना देश में अपनी तरह का पहला वाक्या था। दूसरे दिन देश के सभी समाचार पत्रों इस घटना को कवर किया और देश में एक तरह की नई बहस को छेड़ दिया।

बैंककर्मी का एमएमएस प्रकरण-

मुंबई के एक प्राइवेट बैंक में काम करने वाली एक महिला नें 22 नवंबर 2005 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके साथ काम करने वाले तीन सहयोगियों नें पहले तो उसके साथ जबरदस्ती की फिर उसका एमएमएस बनाकर उसको ब्लॅकमेल कर रहे हैं। विद्या चावला नामक इस लड़की नें आखिरकार अपने इंसाफ के लिए पुलिस का सहारा लिया।

करीना कपूर और शाहिद कपूर का एमएमएस प्रकरण-

बॉलीवूड में एक दूसरे के इश्क-ओ-मोहब्बत की खबरें बहुत आम हैं मगर इस इंडस्ट्री में ये इस तरह का पहला मामला था। इसमें हुआ यूँ कि करीना कपूर और शाहिद कपूर नें पब्लिक प्लेस में एक दूसरे का चुंबन किया इसी दृश्य को किसी तीसरे आदमी नें कैद कर लिया और इसको सोश्ल मीडिया पर डाल दिया। देखते ही देखते इस क्लिप को भी लाखों लोगों ने हिट किया। इस घटना के बाद ये बहस भी पब्लिक डोमेन में आ गयी कि किसको कहाँ पर चुंबन लेना चाहिए और कहाँ पर नहीं। लेकिन बहुत से समाजी विशेषज्ञों का मानना था कि किसी के भी निजी जिंदगी में किसी को भी झांकनें का हक़ नहीं है। लेकिन बात यहाँ पर मल्टीमीडिया की हो रही है तो ये कहा जा सकता है कि एमएमएस प्रकरण नें इन दो फनकारों को परेशान करके रख दिया।

मल्लिका शेरावत एमएमएस प्रकरण-

मल्लिका शेरवात एमएमएस केस देश का पहला ट्रिपल एक्स (xxx)पोर्न एमएमएस था जिसनें मल्लिका शेरावत के इमेज को बर्बाद करके रख दिया। साथ ही तकनीक के अंधकार पक्ष को भी हमारे सामने लाकर रखा। इस एमएमएस में मल्लिका शेरावत को किसी विदेशी के साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए दिखाया गया था। इस बात का पता जब मल्लिका को चला तो उन्होंने गहरे अफ़सोस का इजहार किया और कहा- “I have not seen the clip,but I feel so helpless.i broke down when I heard of it,”मुझे इसके संबंध में पता चला है ,लेकिन इसमें मैं नहीं हूँ इसमें किसी दूसरी पोर्न अभिनेत्री के जिस्म के साथ मेरे चेहरे को बेहतरीन संपादन के द्वारा जोड़ दिया गया है। उनके शब्दों में “I heard the picture is perfectly colour co-ordinated and well toned .my face has been placed on someone else’s body”. यही नहीं मल्लिका नें ये भी कहा कि इस प्रकरण के द्वारा मेरे लोकप्रियता को प्रभावित करने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि ये मामला बहुत ही गंभीर है और ये किसी के भी साथ हो सकता है। “ is’s not me .somebody behind this for sure and it’s a menacing act.this harms my dignity ,my reputation and my name .today it’s me,tomorrow it could be anybody .beceause I am innocent ,I didn’s want to keep quiet and went and lodged complaints with the concerned authorities.”

लैक्मे इंडिया फ़ैशन वीक एमएमएस प्रकरण -

5 अप्रैल 2006 को भारत में लैक्मे फ़ैशन की तरफ से एक फ़ैशन शो का आयोजन किया गया था। कपड़ों की नुमाईश करते समय मॉडल कैरोल ग्रेसस के सीने से कपड़ा सरक गया और वो बिना कपड़ों की हो गई। इस मौके का फायदा उठाते हुए हमारे फ़ोटो जर्नलिस्टों ने अपने कैमरों को चमकाना शुरू कर दिया और वहाँ बैठे दर्शक भी अपने male gaze आवश्यकता को पूरा करना शुरू कर दिया और अपने कीमती मल्टीमीडिया फोन के द्वारा तस्वीर उतारने की होड़ में शामिल हो गए। सबसे अफ़सोसनाक पहलू ये रहा कि वहाँ के खिचे गए फ़ोटो मल्टीमीडिया फोन के पूरे भारत में और कुछ ही मिनट बाद पूरे विश्व में फ़ैल गया। शायद मल्टीमीडिया फोन के द्वारा स्त्री उत्पीड़न का इससे बड़ा मामला कोई और नहीं हो सकता। इस

गंभीर हादसे पर प्रोफेसर तापसी बसु ने कहा कि- “taught such phenomenon was not exactly unknown in the USA, it was not heard of, until now in india, a country where the women are still put a different respectful pedestal.”उनका कहना था कि इस तरह का वाक्या अमेरिका में सुनने को नहीं मिला है जबकि हमारे यहाँ तो स्त्रियों की इज्ज़त और प्रतिष्ठा के संबंध में बड़ी बड़ी होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर इस तरह के कुछ बड़े प्रकरण भी सामने आए है जो निम्न हैं-

Given along with this was the history of such similar cases-
February,2004-when janet Jackson gave a bodice ripping super bowl performance.
September 2004-miss universe Jennifer Hawkins skirt slips in Sydney .
November 2004 former bond girl sophie marceaus dress slips off at cannes. इस तरह के बेशुमार घटनाएँ हुई हैं जहाँ महिलाओं की इज्ज़त को सरेआम उछाला गया और मल्टीमीडिया फोन के द्वारा उसे फैलाया गया।

JNU एमएमएस प्रकरण –

एमएमएस प्रकरण का सबसे भयावह चेहरा भारत के सबसे प्रतिष्ठित विश्विद्यालय जेएनयू से आया। जहाँ पर दो छात्रों में अपनी महिला मित्र के साथ यौनिक संबंध बनाया और उसे लैपटाप के कैमरे के द्वारा रिकार्ड कर उसकी सीडी बनाई और उसे पूरे कैम्पस में फैला दिया। और जब जब ये क्लिप सोश्ल मीडिया पर गया तो इसका दायरा पूरा विश्व हो गया।

पिंकी एमएमएस प्रकरण –

एथलीट पिंकी प्रामाणिक पर बलात्कार का आरोप लगा। इसी के सिलसिले में जुलाई 2012 में कोलकाता के एक हॉस्पिटल में उसका लिंग परीक्षण हुआ। लिंग परीक्षण के दौरान जब वह पूरी तरह से निर्वस्त्र थी तभी उसका एमएमएस बनाया गया और उसे सोश्ल मीडिया पर डाल दिया गया और कुछ ही मिनटों में इस एमएमएस को लाखों लोगों नें हिट किया। इस घटना पर पिंकी नें भारी गुस्से का इज़हार किया और कहा कि-“ I have never been subjected to such humiliation and harassment in my life.”

(http:www.mid-day.com/sports/2012/jul/020712-MMS-showing-Pinki-paramanik-nude-during-gender-test-goes-viral-online.htm)

इसी तरह का एक मामला जींद में घटित हुआ। इस मामले एक महिला के साथ छःलोगों नें सामूहिक बलात्कार किया फिर उन्होंने उसका एमएमएस भी बना डाला। मामला अदालत में गया और सभी छः आरोपियों को सज़ा हुई। (zeenews.india.com/hindi/news/उत्तर प्रदेश-एमएमएस-गंगरेप/171068)

इसी तरह एक और मामला दिल्ली के प्रतिष्ठित गार्गी कॉलेज में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ घटित हुए। छात्र के बचपन का साथी ने उसके साथ बलात्कार किया फिर अंतरंग पलों का विडियो बनाया और उसके सहारे उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।
(khabar.ndtv.comrape-blackmail-with-mms-39691/news/show/du-student-accuses-boyfriend-of-)

इसी तरह का मामला हरदोई उत्तर प्रदेश में घटित हुआ। इसमें सत्ताधारी समाजवादी के एक नेता एक छात्रा के साथ बलात्कार किया फिर उसका एमएमएस बनाकर परेशान करना शुरू कर दिया। (http://khabar.ndtv.com/news/show/sp-leader-blackmailed-the-girl-by-mms-36414)

सोनीपत में कक्षा 8 की लड़की के साथ 4 लोगों नें सामूहिक बलात्कार किया फिर उसका एमएमएस बना कर लड़की को परेशान करना शुरू कर दिया। http://khabar.ndtv.com/news/show/class-ix-student-raped-35997

रामनगर में कुछ दिन पहले एक महिला ने एमएमएस बनाए जाने से आहत होकर नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने धारा 306 आईपी एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया। यह मामला भी बलात्कार और एमएमएस बनाकर परेशान करने का ही था। http://www.amarujala.com/news/states/jammu-and-kashmir/udhampur/Udhampur-38740-31/

जस्सी/ जैसी कोई नहीं से टीवी पर्दे पर छाई मोना सिंह का एमएमएस इंटरनेट पर वायरस की तरह फैल रहा है। 23 सेकेंड की इस मूवी क्लिप में मोनी सिंह बिना कपड़ों के कमरे में एक से दूसरी जगह जा रही हैं।इस एमएमएस को स्मायर्ट फोन से बनाया गया है और जो लड़की इसमें दिखाई दे रही है वह हू-ब-हू मोना सिंह की तरह ही दिख रही है। मोना सिंह ने इस एमएमएस में कैमरे में देख रही हैं और वह भी बिना कपड़ों के। मोना सिंह के एमएमएस ने जहां पूरी तरह से बॉलीवुड में बवाल मचा दिया है। लेकिन मोना सिंह नें इस विडियो को फर्जी बताया है http://www.p7news.com/entertainment/7035-mona-singh-mms-spread-like-a-virus.html

यहाँ पर इन सारी चर्चाओं का मक़सद इसके गंभीरताओं को बताना है।इस बुराई नें अपनी जड़ें कितनी गहरी बना ली हैं। ये विषय इतना ज्वलंत है कि इस विषय पर फिल्मों के बनने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। निर्देशक पवन कृपलानी नें रागिनी एमएमएस के नाम से एक फिल्म बनाई। इस फिल्म की सफलता के अब रागिनी एमएमएस-2 के नाम से नई फिल्म आ रही हैं। इसका मक़सद भी यहाँ साफ है कि इस विषय को भुनाने की पूरी तैयारी चल रही है। दिल्ली के वकील विवेक सूद जो साइबर कानून के विशेषज्ञ माने जाते हैं ,ने इस मुद्दे पर the mental right of internet 2011 funda नामक पुस्तक लिखी है। उनका मानना है कि इस तरह के ज्यादातर केस में वो लोग शामिल होते हैं जो पीड़ित व्यक्ति के बहुत करीबी होते है

निष्कर्ष-

एमएमएस प्रकरण को मल्टीमीडिया मोबाईल नें एक नई रफ्तार प्रदान की है। हमारे समाज और आस-पास नित नए इस तरह के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। दिल्ली के जाने-माने वकील विवेक सूद का मानना है कि इस तरह के किसी भी मामले को दबाना नहीं चाहिए और बिना समय गँवाए हमें क़ानून की मदद लेनी चाहिए। उनका ये भी मानना है कि कुछ क़ानूनी धाराओं में परिवर्तन की गुंजाइश है। जैसे अभी तक 66 E के तहत तीन साल और 20000 (बीस हज़ार रुपए) तक सजा हो सकती है । इस तरह के मामले में आरोपित को गैर-जमानती धाराओं में रखना उचित होगा। इसके अलावा सोश्ल मीडिया पर थोड़ी निगरानी की भी आवश्यकता है कि इस माध्यम पर किस तरह के के विडियो लोड हो रहे हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1-मास कम्युनिकेशन इन इंडिया-के.जे.कुमार-जैको प्रकाशन
2-पत्रकारिता एवं जनसंचार-हेना नक़वी-उपकार प्रकाशन
3-मीडिया शोध-मनोज दयाल-हरियाणा ग्रंथ अकादमी
4-द ग्लोबल मीडिया एस.हर्मन रोबर्ट डब्लू-माध्यम बुक्स
5-denis McQuail's reader in maas communication theory-sage publication.
1-(http:www.mid-day.com/sports/2012/jul/020712-MMS-showing-Pinki-paramanik-nude-during-gender-test-goes-viral-online.htm)
2-(zeenews.india.com/hindi/news/उत्तर प्रदेश-एमएमएस-गंगरेप/171068)

3-(zeenews.india.com/hindi/news/उत्तर प्रदेश-एमएमएस-गंगरेप/171068)
4-http://www.p7news.com/entertainment/7035-mona-singh-mms-spread-like-a-virus.html
5-http://www.amarujala.com/news/states/jammu-and-kashmir/udhampur/Udhampur-38740-31/
6-(http://khabar.ndtv.com/news/show/sp-leader-blackmailed-the-girl-by-mms-36414)